वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 72 | शनिवार 6 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य के कुल निर्यात में रत्न-आभूषणों की हिस्सेदारी 11,183 करोड़ रुपए की

प्रदेश की आर्थिक प्रगति में जेम्स एवं ज्वैलरी का अहम योगदान राज्य सरकार के प्रयासों से रत्न-आभूषणों का व्यापार होगा और सुगमः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर विश्व पटल पर रत्न आभूषणों के लिए विख्यात है। जेम्स ज्वैलरी बिजनेस राज्य की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, साथ ही रोजगार सृजन का भी मुख्य साधन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस उद्योग को बढ़ावा देने तथा उद्यमियों के लिए व्यापार को सुगम बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। शर्मा ने शुक्रवार को ज्वैलरी एसोसिएशन द्वारा सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित जस-2024 के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि जयपुर में बनाए गए आभूषण अपनी खूबसूरती और शिल्प कौशल के लिए दुनियाभर में पहचाने जाते हैं। इसी वजह से राज्य सरकार द्वारा ''एक जिला एक उत्पाद'' योजना के तहत जयपुर में रत्न एवं आभूषणों को चिन्हित किया गया है। जिसके तहत राज्य सरकार इस क्षेत्र को और अधिक विकसित बनाने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में राजस्थान के कुल निर्यात में रत्न-आभूषणों की हिस्सेदारी 11 हजार 183 करोड़ रुपये की रही है।

जेम्स ज्वैलरी पार्क से लाखों लोगों को मिलेगा रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाया है। इससे आभूषण उद्योग और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर जेम्स एण्ड ज्वैलरी पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे 1 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कारीगरों का प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक एवं शोध में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे यह उद्यम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू सकें।

आभूषण उद्योग का हृदय जयपुरः शर्मा ने कहा कि जयपुर के कारीगरों द्वारा बनाई गई जेम्स एवं ज्वैलरी को देश-विदेशों में अपनी एक अलग पहचान मिलती है क्योंकि जयपुर आभूषण उद्योग का हृदय है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे इस उद्योग में लगे कारीगरों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए और अधिक कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में आभूषण केवल सौंदर्य की वस्तु ही नहीं हैं बल्कि इसका सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व भी है। आमजन का जौहरी पर विश्वास रहता है जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ता रहता है।

विकसित भारत-विकसित राजस्थान की परिकल्पना को करेंगे साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की परिकल्पना के तहत अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को आगे लाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। हम सभी अपने नागरिक होने के कर्तव्यों का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासी विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए सुझाव दें जिससे इस परिकल्पना को साकार किया जा सके। इससे पहले मुख्यमंत्री ने फीता काटकर 'जस-2024' के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने जेम्स वर्ल्ड मैग्जीन का लोकार्पण भी किया। इसके बाद उन्होंने वहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

आचार्य विराग सागर महाराज को दिंगबर जैन समाज ने दी विनयांजलि

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

बुंदलखंड के प्रथमाचार्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज गुरुवार सुबह ढाई बजे समाधि में लीन हो गए।आचार्य श्री ने महाराष्ट्र के जालना जिले में देवमूर्ति सिंधखेड़ा में संलेखनापूर्वक समाधि की। सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष पारस सोनी ने बताया कि दो दिन पूर्व विहार के दौरान आचार्य श्री का स्वास्थ्य खराब हुआ ओर गुरुवार अष्टमी के दिन उन्होंने अपनी नश्वर देह का त्याग किया।उसी दौरान आचार्य पद का त्याग कर आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज को अपना पट्टाधीश घोषित किया।प्रातः लोगो को यह समाचार मिला कि गणाचार्य की रात्रि के प्रहर में संल्लेखनापूर्ण समाधि हो गई है तो जैन समाज में शोक की लहर छा गई उनके देवलोकगमन की खबर सुनकर दिगम्बर जैन संतो ने उपवास रखकर श्रद्धांजलि दी सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा शास्त्री नगर स्थित सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर विन्यांजली अर्पित की गई।इस अवसर पर अध्यक्ष पारस जैन ने गणाचार्य के जीवन के बारे में बताया।महामंत्री रमेश अजमेरा ने बताया की आचार्य श्री विशाल संघ के साथ दो बार चित्तौड़गढ़ भी पधारे थे।सुपार्श्वनाथ मंदिर कमेटी अध्यक्ष डॉ ज्ञान सागर जैन,किला मंदिर कमेटी अध्यक्ष महेंद्र टोंग्या, राजकुमार गोधा, राजेंद्र जैन महिला मंडल अध्यक्ष मैना बज, पूर्व अध्यक्ष मधु अग्रवाल, महिला महासमिति इकाई अध्यक्ष मंजु सेठी ने भी आचार्य श्री के चरणों में अपनी भावना व्यक्त की।एक घंटा नमोकार मंत्र जाप के साथ श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। विनयांजलि सभा के पूर्व प्रातः सभी जैन जिनालयों में मंगलाष्टक ,अभिषेक,शांतिधारा व जाप आदि से जिनेन्द्र प्रभु का स्मरण करते हुए जल्दी मोक्षसुख प्राप्त हो कामना की।एक सूरज के अस्त होने का घाव पूरा नहीं हुआ कि जिनशासन में दूसरे सूरज का अस्त होना जैन समाज को आघात लगा।ज्ञात रहे कि साढ़े चार माह पूर्व आचार्य विद्या सागर जी महाराज 18फरवरी को समाधिस्थ हो गए। इन दोनों महान आचार्यों का श्रमण संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा।विराग सागर जी का जन्म मध्य प्रदेश के दमोह जिले के पथरिया ग्राम में हुआ।आचार्य श्री ने 350 से अधिक दीक्षा प्रदान की साथ ही अपने सभी शिष्यों के नाम वी अक्षर से रखे जो अपने आपमें एक इतिहास है।आचार्य श्री ने भारतवर्ष में भ्रमण कर धर्म प्रभावना की।उनके द्वारा लिखी टीकाएं जिन आगम के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।उपसर्ग विजेता,क्रांतिकारी संत,समाधि सम्राट व वात्सल्य वारिधि आदि कई उपाधियों से इनको जाना जाता है। मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विराग सागर जी की समाधि पर ट्वीट कर श्रद्धांजलि दी।

200 से अधिक अशक्त गऊ माताओं को हराचारा, दलिया एवम गुड अर्पण किया गया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन निलेश अग्रवाल एवम लायन रिंकू अग्रवाल के सौजन्य से जीवदया के अंतर्गत सेवा देते हुए नागफानी स्थित आनंद गोपाल गऊशाला की 200 से अधिक अशक्त गोवंश को हराचारा (रचका),दलिया एवम गुड अर्पण किया गया। क्लब सचिव लायन राजेश चौधरी ने बताया कि लायन अतुल पाटनी के संयोजन में गौशाला में अशक्त गोवंश को हराचारा,दलिया एवम गुड की सेवा दी गई। इस अवसर पर गोशाला के महंत सरजूदास महाराज ने क्लब सदस्यो को आशीर्वाद दिया।

जैन समाज रत्न स्वर्गीय राजेंद्र के गोधा के 75वें जन्मदिन पर किया स्मरण, लगाए छायादार पेड़

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय राजेंद्र कुमार गोधा जी के 75 वें जन्मदिन के उपलक्ष में जरूरतमंद परिवारों को राशन किट, भोजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं ने बताया कि जन्मदिन के अवसर पर सुबह जरूरतमंद परिवारों को खाने के पैकेट एवं सुखी रसद सामग्री का वितरण किया गया। दोपहर में सार्वजनिक स्थानों पर छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पौधों में नियमित रूप से पानी भरने की एवं नियमित देखभाल की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सर्व समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विन्यांजलि सभा शनिवार, 6 जुलाई को भट्टारक जी की नसिया में

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. राष्ट्रसंत, भारत गौरव, गणाचार्य, बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य, युग प्रतिक्रमण प्रवर्तक, उपसर्ग विजेता, महासंघ गणनायक का 4 जुलाई 2024 गुरुवार (चतुर्दशी) प्रातः 2:30 बजे जालना महाराष्ट्र के नजदीक देवमूर्ति ग्राम, सिंदखेड़ा, राजा रोड़ पर समतापूर्वक समाधि मरण हो गया है। जयपुर में प्रवासरत सभी आचार्य, मुनिराजों एवं आर्यिका माताजी के सानिध्य में एवं मुनि 108 श्री समत्व सागर जी महाराज एवं गणिनी आर्यिका 105 श्री विज्ञाश्री माताजी के पावन निर्देशन में विन्यांजलि सभा शनिवार, 6 जुलाई को दोपहर 2 बजे से सायंकाल 4 बजे तक भट्टारक जी की नसियां में आयोजित की जाएगी।

रक्तदान शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, बारिश में भी आकर के किया रक्तदान

तालेड़ा. शाबाश इंडिया

राजकीय महाविद्यालय तालेड़ा के प्राचार्य डॉ. बृजकिशोर शर्मा की पूज्य माता जी स्व. श्रीमती दुर्गा देवी की 12 वी पुण्यतिथि 5 जुलाई 2024 को राजकीय महाविद्यालय तालेड़ा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान में बच्चों ने किया मुंडन संस्कार व बालिकाओं को जैन संस्कार

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री पुष्पदंत जिनालय लाल मंदिर नयापुरा में पुण्यार्जक परिवार महावीर जैन गुड्डा के सोजन्य से आयोजित किया जा रहा है। सिद्ध चक्र महामंडल विधान 30 जून से 7 जुलाई तक आयोजित होगा। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि गुरु मां आर्यिका रत्न श्री पूर्णमति माताजी के मंगलमय आशीर्वाद से प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्रह्मचारी अनिल जैन भोपाल और मंगल सानिध्य श्री रितु दीदी व श्री पिंकी दीदी के माध्यम से विधान में ज्ञान की गंगा बह रही है। छठे दिन विधान की पूजन के 512 अर्ध समर्पित किए गए। वही पिड़ावा में पहली बार संस्कार शिविर महोत्सव में बालकों का मुंडन संस्कार और बालिकाओं को जैन संस्कार मंत्रोचार किया गया। जिसमें 5 वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के बच्चों को उनके माता-पिता ने संस्कारित करवाया। इसमें ऋतु दीदी ने बच्चों से कहा कि अरिहंत तेरे माता पिता है और जिनवाणी तेरी माता है और उन्होंने कहा कि इसमें भावना का बहुत महत्व है। जिस प्रकार पत्थर की शीला को संस्कारो से भगवान बनाया जाता है। ठीक उसी तरह बच्चों पर संस्कार किए जाते हैं। शाम को मंगलमय महा आरती व रात्रि में ध्यान के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया गया कार्यक्रम का संचालन प्रतिदिन राष्ट्रीय कवि डॉ. अनिल उपहार द्वारा किया जा रहा है।

वेद ज्ञान

कुंठा के पार

योजनाओं को पूरा करने का स्वप्न अपूर्ण रह जाए तब जिस घुटन, बेचैनी या झुंझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। स्वप्न देखना मनुष्य की जन्मजात प्रकृति है। प्रायः वह अपनी क्षमता और स्थिति का भली-भांति आकलन किए बगैर चंचल मन के वशीभूत होकर विविध आकांक्षाओं अथवा कपोल-कल्पित योजनाओं को पूरा करने का स्वप्न देखता रहता है। जब किसी व्यक्ति के मन में कुछ पाने की तीव्र उत्कंठा हो, परंतु उसे प्राप्त करने की शक्ति अथवा परिस्थिति न हो अथवा प्रारब्ध आदि कारणों से उसकी इच्छा अपूर्ण रह जाए तब मन के भीतर जिस घुटन, बेचैनी या झुंझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। यह विफलता के कारण मन में उत्पन्न होने वाली घोर निराशा ही है। अधिकांशतः आर्थिक प्रतिस्पर्धा, मान-सम्मान पाने की अत्यधिक लालसा, परीक्षा में असफलता, युवाओं में प्रेम-प्रसंगों की विफलता आदि असह्य परिस्थितियां हमें कुंठित जीवन जीने के लिए विवश कर देती हैं। शरीर की एड्रीनल ग्रंथियों द्वारा स्रावित एड्रीनलीन हॉर्मोन से तमाम असामान्य लक्षण प्रकट होते हैं। एकांतप्रियता, गुमसुम रहना और नकारात्मक विचारों की प्रधानता व्यक्तित्व को बंधक बना लेती है। अनिद्रा के साथ ही मधुमेह, उच्च रक्त चाप जैसी खतरनाक बीमारियों के सक्रिय होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कुंठा की चरमावस्था में आत्महत्या जैसे कुत्सित विचार भी मन को उद्वेलित कर सकते हैं। जीवन प्रकृति की अनुपम भेंट है। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है-तेरा कर्म करने पर ही अधिकार है, उसके फलों पर कभी नहीं। इसलिए लक्ष्य-पूर्ति के लिए किए गए संघर्ष को जीवन की सहज प्रक्रिया मानकर अंगीकार करें और सदैव समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। सपनों से नाता न तोड़ें, अन्यथा जीवन नीरस हो जाएगा, परंतु अपनी आकांक्षाओं को सीमित कर क्षमताओं की सीमा का अतिक्रमण कदापि न होने दें। कुंठा जीवन की प्रबल शत्रु है। मनोवैज्ञानिक शोधों से खुलासा हुआ है कि कुंठा से व्यक्ति की उपलब्धियों, गुणों और प्रतिभा का ह्रास होता है। इसलिए हमेशा सकारात्मक सोच रखें और निराशा से बचें। समुचित शारीरिक व्यायाम, पौष्टिक और संतुलित आहार, नियमित व संयमित दिनचर्या और योगाभ्यास को अपनाकर कुंठा से काफी हद तक बचा जा सकता है। साथ ही सैर-सपाटे पर जाएं। प्रकृति के साथ समय बिताएं।

संपादकीय

मैतेई और कुकी समुदायों के प्रति नरमी दिखाए सरकार

मणिपुर पिछले एक वर्ष से ज्यादा समय से अशांति और हिंसा के दौर से गुजर रहा है। सरकार की ओर से तमाम कवायदों के बावजूद आज भी हालात में कोई बड़ा बदलाव आता नहीं दिख रहा है। जाहिर है, मुख्य रूप से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रहे हिंसक टकराव की आग में आम लोग झुलस रहे हैं और इस पर काबू पाने में सरकार नाकाम रही है। दरअसल, लोकतंत्र और शासन के बुनियादी सिद्धांतों के तहत कम से कम सरकार

को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह इस संघर्ष के दौरान किसी खास तबके के पक्ष में या किसी के खिलाफ न दिखे। मगर मणिपुर में सरकार पर ऐसे आरोप कई बार लगाए गए कि वह मैतेई समुदाय के लिए नरम रुख और कुकी समुदाय के प्रति उपेक्षा का भाव रखती है। इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सरकार के प्रति सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए उसे इस बात के लिए कठघरे में खड़ा किया कि एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह अल्पसंख्यक कुकी समुदाय से था। गौरतलब है कि मणिपुर में अब भी कुकी और मैतेई समुदाय के बीच टकराव जारी है। मगर कम से कम सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने क्षेत्राधिकार में हर नागरिक के प्रति समान बर्ताव करे, बिना किसी भेदभाव के सबके लिए सुरक्षित और सहज जीवन सुनिश्चित करे। जरूरत इस बात की है कि राज्य सरकार किसी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रहों के बिना शांति-व्यवस्था कायम करे। किसी बीमार या जरूरतमंद व्यक्ति की मदद से बचने के लिए अगर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को कारण बताया जाता है, तो सवाल है कि इसे बहाल करने और रखने की जिम्मेदारी किसकी है? हालत यह है कि राज्य में दो समुदायों के बीच हिंसा के एक वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, दो सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और आज भी सरकार शांति कायम कर पाने में नाकाम है। एक ओर, केंद्र सरकार संसद में यह आश्वासन दे रही है कि मणिपुर में शांति की आशा और भरोसा करना संभव हो रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट को यह टिप्पणी करनी पड़ रही है कि उसे मणिपुर सरकार पर भरोसा नहीं है। किसी भी लोकतांत्रिक कही जाने वाली सरकार के लिए यह आदर्श स्थिति नहीं है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

लापरवाही

हाथरस में एक सत्संग के दौरान हुए हादसे की न्यायिक जांच की घोषणा हो गई है और इस तरह अब इसके सहारे सरकार इस घटना पर उठने वाले सवालों के शांत होने की उम्मीद कर रही है। अब इस जांच के नतीजे कब आएंगे, किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी, क्या कार्रवाई होगी, यह सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर है। मगर इस घटना में जो हुआ, उसने न केवल किसी स्वयंभू बाबा और उसके समूह को, बल्कि सरकार और समूचे प्रशासन-तंत्र को कठघरे में खड़ा किया है। हालत यह है कि एक बाबा के कथित सत्संग के आयोजन को लेकर तो सभी स्तरों पर लापरवाही बरती ही गई, उससे उपजी अव्यवस्था की वजह से मची भगदड़ में कम से कम एक सौ इक्कीस लोगों के मारे जाने के बाद कार्रवाई के मामले में भी पुलिस और प्रशासन का जो रुख सामने आया है, वह हैरान करने वाला है। खबरों के मुताबिक भगदड़ के बाद छह सेवादार भाग गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए एक लाख रुपए इनाम की घोषणा की गई। इसके अलावा, पुलिस का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो 'भोले बाबा' से भी पूछताछ की जाएगी। हालांकि इसका कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया है कि बाबा का नाम पुलिस के पास दर्ज प्राथमिकी में क्यों नहीं है! सवाल है कि आस्था के नाम पर सामने आई त्रासदी के लिए अगर सत्संग के आयोजकों की जिम्मेदारी बनती है, तो इस व्यापक लापरवाही में प्रशासन भी अपनी जवाबदेही से कैसे बच सकता है? अस्सी हजार लोगों की जुटान की इजाजत दे दी गई और ढाई लाख लोगों का जमावड़ा हो गया तो यह किसके आंख मूंद लेने की वजह से हुआ? इतनी बड़ी तादाद में लोगों के वहां आने के बाद प्रशासन ने क्या ऐसा किया ताकि आपात स्थितियों में बचाव हो सके? जिस राज्य में आए दिन सरकार किसी भी कोने में छिपे अपराधियों को काबू में करने का दावा करती रहती है, उसमें पुलिस और खुफिया तंत्र के इतने बड़े जाल के बावजूद 'भोले बाबा' कैसे फरार हो गया? सब कुछ दुरुस्त होने के दावे के बीच एक बाबा भारी संख्या में लोगों को जुटा कर अपनी महिमा का बखान करता रहा। फिर भगदड़ के बाद उसके फरार हो जाने पर पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही और प्राथमिकी तक में उसका नाम नहीं है तो इसके पीछे क्या वजहें हैं? सच यह है कि इस तरह बाबाओं के समाज या साधारण लोगों के बीच पांव पसारने और उन्हें मन-मुताबिक संचालित करने के लिए भी सरकार की जिम्मेदारी बनती

है। आम लोग अपनी जीवन-स्थितियों में बेहतरी और विकास लाने के साथ-साथ अच्छी पढ़ाई-लिखाई करें, नए विचारों से समृद्ध हों, इसकी व्यवस्था करना सरकार का दायित्व है। मगर इसके समांतर संदिग्ध पृष्ठभूमि वाला कोई व्यक्ति बाबा का रूप धर कर लोगों को इस हद तक प्रभावित कर लेता है कि कुछ पीड़ित भी भगदड़ और लोगों के मारे जाने के लिए उस पर सवाल उठाने को गलत मानने लगते हैं। आस्था के नाम पर इस तरह के सम्मोहन की स्थिति पैदा होने को लेकर क्या सरकारों की कोई जवाबदेही नहीं बनती? अव्यवस्था से उपजी कोई बेहद दुखद घटना हो जाती है, लोगों की जान चली जाती है, तब समूचा सरकारी तंत्र अत्यधिक सक्रिय दिखने लगता है। अफसोस की बात यह है कि जब ऐसी भयावह घटनाओं की भूमिका बन रही होती है, तब सरकार बेखबर रहती है। अगर समय रहते थोड़ी भी सक्रियता दिखाई जाती, तो शायद ऐसी त्रासदी से बचा जा सकता था!

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया, विद्यालय में भेंट किया वाटर कूलर

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

निकटवर्ती ग्राम ठरडा के उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजानगढ़ में स्वर्गीय आसूलाल एवं अमराव देवी गंगवाल की पुण्य स्मृति में छात्र छात्राओं हेतु वाटर कूलर भेंट नथमल रवि कुमार अयान गंगवाल परिवार गुवाहाटी,बैंगलुरू, डेह,द्वारा व प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह स्वर्गीय अमराव देवी बगड़ा की पुण्य स्मृति में निहालचंद महेंद्र कुमार महेश कुमार बगड़ा ईटानगर के सौजन्य से व सुजलांचाल विकास मंच समिति के तत्वाधान में आयोजित हुआ। समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने आयोजन विषयक जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद की सभापति श्रीमती नीलोफर गोरी ने की व मुख्य अतिथि के रूप में भामाशाह महेश कुमार सुनीता देवी बगड़ा थे व विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री दिगम्बर जैन समाज

के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, समाज सेविका श्रीमती मीनू देवी बगड़ा,समिति अध्यक्ष श्रीमती उषा देवी बगड़ा,सचिव विनीत कुमार बगड़ा , श्रीमती मंजू देवी बाकलीवाल मंचासीन थे। इस दौरान 2023/24 के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभापति ने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ संस्कारयुक्त ज्ञान के साथ लक्ष्य प्राप्ति का आह्वान किया। समिति अध्यक्ष श्रीमती बगड़ा ने कहा कि समिति , गंगवाल व बगड़ा परिवार के सेवा कार्य सराहनीय है तथा कहा कि पैसा सबके पास होता है लेकिन दिन दुखियो की सेवा करके पुण्य कमाना सबसे बड़ी कमाई है। भामाशाह महेश कुमार बगड़ा ने विद्यालय में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए इसे स्वयं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। विद्यालय के कार्यवायक प्रधानाध्यापक रामनिवास बाकोलिया ने शाला प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की व सहयोग के लिए गंगवाल व बगड़ा परिवार सहित समिति का विद्यालय परिवार द्वारा प्रशंसा पत्र भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान आगंतुक अथितियो द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया।अतिथियों का स्वागत विद्यालय परिवार के सुल्तान सिंह,कमल जाखड़,सुमन बुगलिया,सीमा मीणा,संगीता शर्मा, अभिव्यक्ति शर्मा,सुनीता गढ़वाल,ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र कुमार वर्मा ने किया।

महावीर इंटरनेशनल ने 250 विधार्थियो को भोजन कराया

कुचामन सीटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल संस्था के गोल्डन वर्ष शुभारंभ पर सेवा सप्ताह की कड़ी मे पंचम दिवस वीरा सुनिता गगंवाल (जैन) पुर्व अध्यक्षा महावीर इंटरनेशनल वीरा धरा की 33 वर्षिय सफलतम राजकीय सेवा से 30 जून को सेवानिवृत्ति होने की खुशी मे गगंवाल परिवार द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारीया जहा से आप सेवानिवृत्त हुए उस विद्यालय के प्रधानाचार्य वीर दिनेश लाडना व अध्यापकगणों के सानिध्य में ममतामय वात्सल्य से 250 बच्चों को महावीर इंटरनेशनल संस्था के सानिध्य मे भोजन करवाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल सचिव वीर अजित पहाड़िया कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन वीर नंदकिशोर बिडसर, वीर विजय कुमार जैन, वीर सम्पत बगडीया वीर सुरेन्द्र सिह दीपपुरा व गगंवाल परिवार के सदस्यों ने सहयोग किया। गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया ने सहयोगकर्ता के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर साधुवाद दिया।

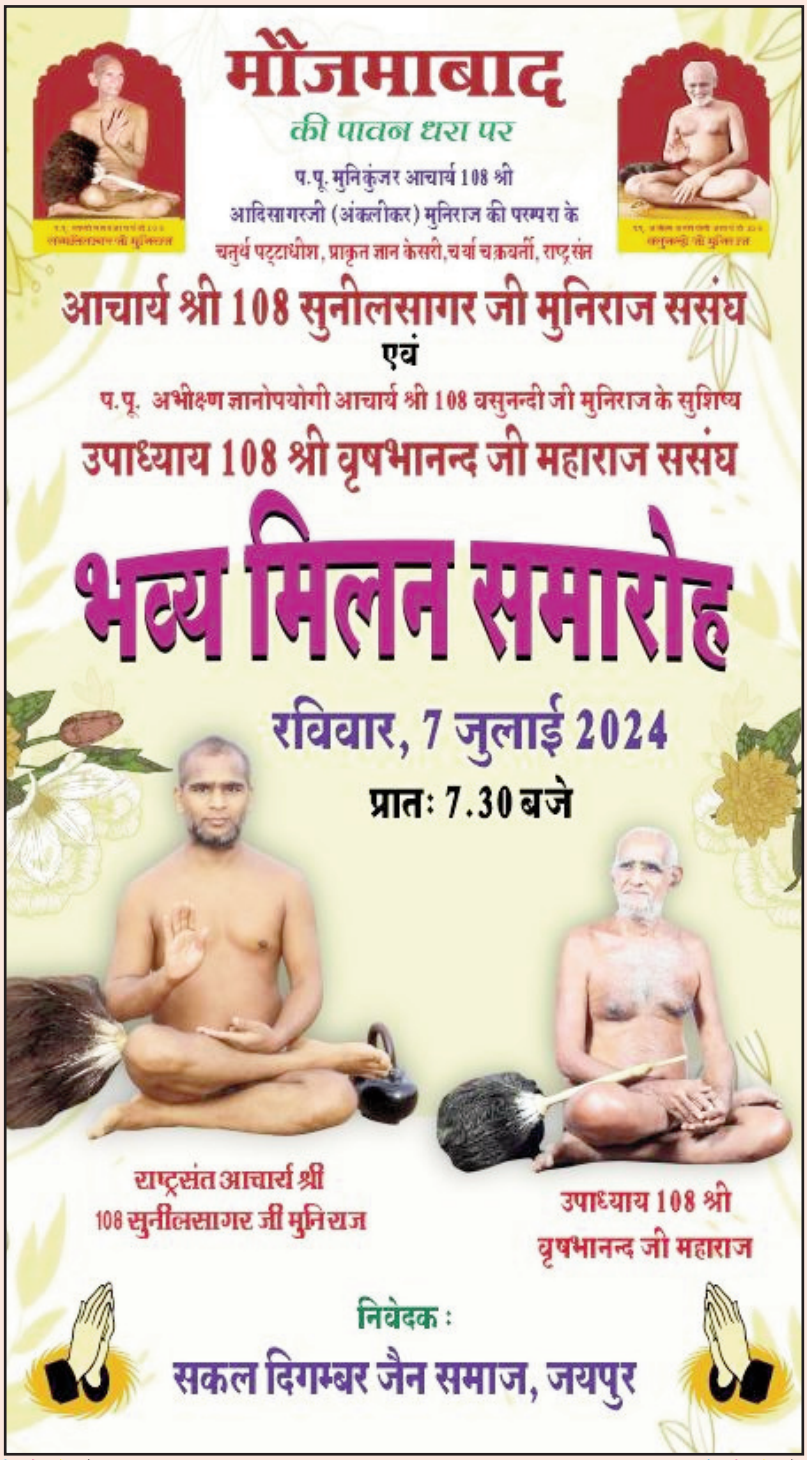

आचार्य श्री विराग महाराज की प्रत्येक वाणी मे गागर मे सागर था: आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी

माताजी संघ सानिध्य मे आचार्य श्री विराग सागर महाराज को विनम्र विनयाजली दी गई

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री 108 विरागसागर महाराज को शुक्रवार की प्रातः बेला मे पट्ट गणिनी आर्यिका105 विमलप्रभा माताजी सानिध्य मे सकल दिगम्बर जैन समाज रामगंजमंडी द्वारा श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे विनयाजली सभा का आयोजन किया गया जिसमे सभा का संचालन महामंत्री राजकुमार गंगवाल के द्वारा किया गया सभा के प्रथम चरण मे आचार्य श्री के चित्र के समक्ष्य दीप प्रज्वलित किया गया। सभा का संचालन करते राजकुमार गंगवाल ने आचार्य श्री के जीवन कृतित्व पर प्रकाश डाला इस अवसर पर संघस्थ सभी माताजी ने आचार्य गुरुवर के संस्मरण को बताया और समाधी के विषय को बताया की आचार्य श्री का जीवन अनुशासित जीवन था वे यथा नाम तथा गुण के धारी थे और कहा की गुरु की महिमा का वर्णन शब्दों मे नहीं किया जा सकता।

स्वाध्याय भवन में सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा विनयांजलि सभा आयोजित हुई

प्रकाश पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । गणाचार्य 108 श्री विराग सागर जी महाराज की 4 जुलाई गुरुवार को जालना महाराष्ट्र शहर के नजदीक देव मूर्ति ग्राम सिंद खेड राजा रोड पर प्रातः 2:30 बजे चतुर्दशी के दिन सल्लेखना पूर्वक समाधिस्थ हुए थे। इस हेतु 5 जुलाई शुक्रवार को स्वाध्याय भवन में सकल दिगंबर जैन समाज की विनयांजलि सभा आयोजित हुई। प्रारंभ में श्रेष्ठीगणों द्वारा दीप प्रज्वलन कर गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की अष्ट द्रव्यों से वाद्य यंत्रों द्वारा भक्ति के साथ पूजन कर अर्ग समर्पण किये। इस उपरांत प्रकाश चौधरी, प्रवीणचौधरी, सुरेंद्र जैन, अनिल बज,जयकुमार पाटनी, राजेंद्र गोयल, पं.पदमचंद काला, राकेश पाटनी, प्रकाश पाटनी, प्रकाश गंगवाल, राजेश पाटनी, सोहनलाल गंगवाल,आदि ने अपनी ओर से विनयाजलि में कहा कि उनके निधन से जैन संस्कृति श्रमण परंपरा का एक और सूर्य अस्त हो गया। विद्या युग के बाद विराग युग का भी अंत हुआ। हम व पीढ़ी में जन्मे हैं जिसे आचार्य विद्यासागर जी और गणाचार्य आचार्य श्री विराग सागर जी का स्वर्णिम युग प्राप्त हुआ था। और हम वह पीढ़ी में जन्मे अभागी व्यक्ति हैं जिन्हें उनके साथ बहुत अल्प समय मिला। वक्ताओ ने गणाचार्य विराग सागर के जीवन परिचय के बारे में बताते अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज ससंघ का भीलवाड़ा में दो-तीन बार भीलवाड़ा में आगमन हुआ था। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर चंद्रशेखर आजाद नगर में नवीन मंदिर का शिलान्यास हुआ एवं उनके सानिध्य में संघस्थ एक साधु की समाधिमरण भी हुआ था। भीलवाड़ा के समीप कोटडी ग्राम में नवीन मंदिर का पंचकल्याण हुआ था। उनके सानिध्य में धर्म की महती प्रभावना हुई थी। उसे भीलवाड़ा का सकल दिगंबर जैन समाज कभी नहीं भूल पाएगा। सभा का संचालन पं. पदमचंद काला ने किया। काफी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

दिगम्बर जैन महासमिती मध्यांचल महिला अंचल पुर्वी संभाग द्वारा 10 हजार पेड़ लगाने का लिया संकल्प

इंदौर. शाबाश इंडिया

मुकुट मांगलिक भवन गुमाश्ता नगर में आयोजित मध्यांचल महिला अंचल की बेठक में आमंत्रित अतिथि गण श्रीमती जुही पुष्यमित्र भार्गव , श्रीमती आशा बड़जात्या एवं श्रीमती रेखा पंडीत के सानिध्य में महासमिति की 250 महिलाओं ने इंदोर शहर के विभीन्न क्षेत्रों में दस हजार पेड़ लगाने का संकल्प लिया। इसके पहले मध्यांचल महिला अंचल पुर्वी संभाग इंदोर की अध्यक्ष श्रीमती स्मिता गंगवाल ने अपने नये सत्र के लिए रचनात्मक एवं मानव सेवा कार्य के बारे में जानकारी दी। कोषाध्यक्ष श्रीमती शीलू पाटनी ने आमंत्रित सभी अतिथियों का स्वागत किया। उपस्थित सभी महिला सदस्य रानी कलर की लहरिया ड्रेस में नजर आई। महासचिव श्रीमती किरण कासलीवाल बताया कि सभी महिला सदस्यों के लिए संयोजक गण ने गेम्स एवं तंबोला का आयोजन किया।

महासंघनायक की समतापूर्वक महासमाधिः आचार्य अतिवीर मुनिराज

शाबाश इंडिया। बुंदेलखंड के प्रथमाचार्य, भारत गौरव, सूरीगच्छाचार्य, श्रमण परम्परा के सूर्य, उपसर्ग विजेता परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज का आकस्मिक देवलोकगमन अत्यंत स्तब्धकारी है। आचार्य श्री का समतापूर्वक समाधिमरण व्यवहारिक दृष्टि से तो कष्टपूर्ण है परंतु निश्चयवाद से उत्सव का क्षण है। मोक्ष की अविरल यात्रा पर बढ़ते हुए पूज्य आचार्य श्री ने आज एक पड़ाव और पार कर लिया। ब्रह्मचारी अवस्था में प्रथम बार नागपुर में आचार्य श्री के पावन दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और तब से लेकर आज तक उनका भरपूर स्नेह और आशीर्वाद मिला। सन 2017 में प्रशांत विहार दिल्ली में आचार्य श्री से मंगल मिलन हुआ और उनका वात्सल्य पाकर मैं अभिभूत हो गया। आचार्य श्री के गंभीर व्यक्तित्व और अनुशासन ने मुझे आह्लादित कर दिया। महान आचार्यों की दैदिप्यमान श्रृंखला में आचार्य श्री का नाम स्वर्णाक्षरों से अंकित है। आचार्य श्री का समाधिमरण कोई साधारण घटना नहीं है, अपितु अध्यात्मिकता में रुचि रखने वाले प्रत्येक प्राणी के लिए अपूरणीय क्षति है। आचार्य श्री ने अपने जीवन को तप, त्याग व संयम की साधना से पुलकित किया। सागर-सी गंभीरता, हिमालय-सी उत्तुंगता और पृथ्वी-सी सहनशीलता को अपने अंदर समेटे हुए आचार्य श्री स्व-पर कल्याण में सतत प्रयत्नशील रहे। आचार्य श्री का संघ विशाल एवं समृद्ध है। अनेकों प्रखर साधक आपकी छत्र-छाया में पल्लवित हुए जो जगह-जगह जिनशासन की गरिमा को निरंतर बढ़ा रहे हैं। आपके भीतर विद्यमान ममता, समता व क्षमता के कारण ही आपने इतने विशाल संघ का कुशलतापूर्वक संचालन किया। आपके दिशा-निर्देशन में समाजोत्थान के अनेकों उपक्रम संपादित हुए। अंत में आचार्य श्री के चरणों में अनंत प्रणाम करते हुए शीघ्र उनके परम पद में स्थित होने की मंगल कामना के साथ सादर नमन...

2012 में शताब्दी का पहला बीस दिवसीय ऐतिहासिक युग प्रतिक्रमण विराग सागर जी ने संघ की 214 पिच्छियो सहित कराया था जयपुर में

पांच माह में ही जिनशासन के एक और सूर्य अस्त। रात्रि का 2.30 बजे का समय फिर बना काल

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिन शासन ने पिछले पांच माह में ही दूसरे सूर्य का अस्त देख लिया । 17 फरवरी को रात्रि में 2.30 बजे आचार्य विद्या सागर जी की समाधि हुई और अब वही रात्रि में 2.30 बजे 4जुलाई को आचार्य विराग सागर जी समाधिस्थ हो गये । सुनते ही समाज भाव शून्य हो गया । विराग सगर जी' का जन्म 2 मई ,1963 को पथरिया जिला दमोह (म.प्र) मे हुआ था। उनके पिता का नाम श्री कपूरचंद जी (समाधिस्थ क्षुल्लक श्री विश्ववन्ध सागर जी) व माता का नाम श्रीमती श्यामा देवी (समाधिस्थ श्री विशांत श्री माता जी) है। पदम बिलाला ने बताया कि आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज द्वारा क्षुल्लक दीक्षा 2 फरवरी 1980 ग्राम बुढार, एवं आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज द्वारा मुनि दीक्षा 9 दिसंबर 1983 एवमं आचार्य पद 8 नवम्बर 1992 सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरी जिला [छतरपुर]) प्राप्त किया। 350 से ज्यादा दीक्षा प्रदाता विशाल संघ के जननायक परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी गुरुदेव की समाधि 4 जुलाई 2024 को प्रातः 2.30 बजे के आसपास जालना (महाराष्ट्र) शहर के नजदीक देवमूर्ति ग्राम, सिंदखेड़ राजा रोड पर हुई है। आचार्य श्री की प्रेरणा से बन रहा विरागोदय तीर्थ पथरिया एक नयनाभिराम क्षेत्र है ।

जयपुर के ऐतिहासिक संस्मरण

पदम जैन बिलाला को सुमेर रावंका ने बताया कि मेरे बड़े भाई माल चंद रावका आचार्य विराग सागर जी के परम भक्त थे । 2010 में भिण्ड में आचार्य श्री से इनकी विस्तृत

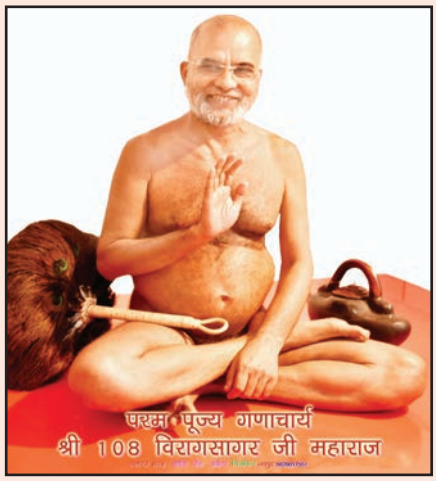

चर्चाएं हुई जिसमें जयपुर में किसी बड़े कार्यक्रम हेतु निवेदन किया गया । इसके बाद भी चचार्ये हुई । इधर 2012 में आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी भी जयपुर में प्रवास रत थी और एक एतिहासिक कार्यक्रम शताब्दी का पहला युग प्रतिक्रमण जयपुर में करना तय हुआ । और देश भर से इनके शिष्य जयपुर आने लगे तथा भवानी निकेतन सीकर रोड पर बीस दिवसीय युग प्रतिक्रमण कार्यक्रम चला जिसमे 214 साधु साध्वियों ने भाग लिया। मुख्य रूप से भाई माल चंद जी का तथा इनके परिवार व महेंद्र सेठी सहित कई सहयोगियों जनकपुरी सहित कई कालोनियों का इस कार्यक्रम में महत्व पूर्ण योगदान रहा। अभी 2017 में द्वितीय युग प्रतिक्रमण के समय भाई माल चंद जी का पहले एतिहासिक कार्यक्रम के लिए झाँसी में सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया गया। आचार्य श्री का जयपुर में भी लम्बा प्रवास रहा है तथा उस समय जनकपुरी मन्दिर जी समाज को भी पावन सानिध्य मिला है।

जरूरतमंद परिवार की प्रतिभावान बालिका को शैक्षणिक शुल्क प्रदान किया

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति एवम श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा राजकीय महा विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने वाली प्रतिभावान बालिका जिसकी माता का सड़क दुर्घटना में असामयिक स्वर्गवास हो गया था पिता लंबे समय से बीमार है को शैक्षणिक शुल्क समाजसेवी एवम संरक्षक राकेश पालीवाल एवम राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के सहयोग से एवम समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी के संयोजन में वर्षभर का शुल्क दिया गया। अतुल पाटनी ने बताया कि पिछले 7 वर्ष से इस बालिका को शैक्षणिक शुल्क,गणवेश एवम पाठ्य सामग्री समाजसेवी राकेश पालीवाल एवम मधु पाटनी के सहयोग से प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर समिति के व्यवस्थापक मंत्री मनीष पाटनी एवम युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेनू पाटनी मोजूद रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पर्यावरण सुरक्षा हेतु कपड़े के थैले का वितरण किया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। प्लास्टिक मुक्त कैरी बैग डे के अवसर पर श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की गोधा गवाडी के द्वारा सुभाष उद्यान के सामने छोटा धड़ा की नसिया के बाहर एवम बजरगगढ़ के पास केसरबाग चौकी के बाहर कपड़े के थैलों को प्रयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित करने हेतु निशुल्क थैलों का वितरण किया गया। इकाई अध्यक्ष शशि जैन ने बताया कि समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के आतिथ्य में एवम समाजसेवी श्रीमती कमलेश पालीवाल के सहयोग से 400 आमजन एवम राहगीरों को कपड़े के थैले भेंट कर रोजमर्रा के उपयोग में लाने का आग्रह किया गया जिससे पर्यावरण स्वस्थ स्वच्छ रह सके एवम अजमेर शहर सुंदर दिख सके। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष शशि जैन, मधु पाटनी, पिंकी बड़जात्या, संतोष बाकलीवाल, प्रियंका जैन,कविता जैन, अंतिमा पाटनी एवम अंशुमा जैन आदि मोजूद रहे ।

वन्य जीव बंदरों को फल सब्जी की सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा जीवदया के अंतर्गत पुष्कर जाने वाले पहाड़ी वन क्षेत्र में बंदरो को केले, बैंगन व चना गुड आदि की सेवा अर्पण की गई। क्लब सचिव राजेश चौधरी ने बताया कि जीवदया का कार्य करते हुए क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी संग लायन आशा राठी ने जीवदया का कार्य करते हुए अपनी वैवाहिक वर्षगांठ बहुत सादगी से मनाई। कार्यक्रम संयोजक पूर्व अध्यक्ष लायन संदीप गोयल ने बताया कि इस पहाड़ी क्षेत्र में बड़ी संख्या में वन्य जीव निवास करते है जिन्हे राठी दंपती के सहयोग से सेवा दी गई।

विमल परिसर बीलवा में श्री शान्तिनाथ विधान व महाभिषेक आज

47वें पावन वर्षायोग के मंगल कलश की स्थापना 7 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर, समाधि सम्राट व निमित्तज्ञानी शिरोमणि आचार्य श्री गुरुदेव विमल सागर महाराज की सुशिष्या परम पूज्या गणिनी आर्यिका रत्न श्री 105 नंगमति माताजी के 47वें पावन वर्षायोग के मंगल कलश की स्थापना 7 जुलाई को विमल परिसर में की जाएगी,जबकि शनिवार को विश्व की सबसे विशाल 27 फिट ऊंची प्रतिमा महाअभिषेक के साथ ही षोड़स दिवस,श्री शान्तिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया जाएगा। इस बारे में श्री 108 सुधर्म नगं अहिंसा ट्रस्ट के निर्मल जैन चांदकीका ने बताया कि आयोजन के तहत 6 जुलाई को सुबह मगंलाचरण, मंडप शुद्धि, इन्द्र प्रतिष्ठा, महाअभिषेक एवं शान्तिधारा के बाद 8 बजे ध्वजारोहण, गुरुदेव के चरणों में श्रीफल भेंट, दीप प्रज्वलन, पुष्पअर्पण के बाद विधान शुरू होगा। इस मौके पर विश्व की सबसे विशाल 27 फिट ऊंची प्रतिमा महाअभिषेक किया जाएगा। अगले दिन 7 जुलाई को रविपुष्य नक्षत्र में विधान के बाद विशेष मंत्र अनुष्ठान होगा। इसके बाद गणिनी गुरु माँ आर्यिका 105 नगंमति माताजी के 47वां पावन वर्षायोग के कलश की स्थापना की जाएगी। उन्होंने बताया कि षोड़स दिवसीय श्री शान्तिनाथ महामंडल विधान 21 जुलाई तक चलेगा। इस मौके पर काफी संख्या में समाज के गणमान्य लोगों के भाग लेने की संभावना है।

भोजन की सेवा के साथ गणवेश पाकर ग्रामीण बच्चे हुए खुश

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत उदयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी गांव बीड़ा के 51 जरूरतमंद परिवार के बच्चो को स्व निर्मित स्वादिष्ट भोजन कराया तत्पश्चात सभी बच्चो को गणवेश का वितरण का किया। क्लब सचिव लायन राजेश चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में अजमेर से उदयपुर भेजी गई । जिसे क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी,रेखा सोनी के नेतृत्व में सभी बच्चो को शुद्ध एवम सात्विक भोजन कराते हुए उपहार स्वरूप गणवेश की सेवा भेंट की गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने सेवा सहयोगी समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी,घनश्याम सोनी एवम अन्य भामाशाह के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए बताया कि सामाजिक सरोकार के अंतर्गत यह सेवा ग्रामीण क्षेत्र में दी गई।

कूडो में भारत सरकार ने खेल कोटा निर्धारित किया, मिलने लगी नौकरियां

उदयपुर. शाबाश इंडिया

एस.आर.ए.एम.एमए एवं कूडो एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में कूडो के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आगाज शुक्रवार को सेंसेई कॉम्बैट एरीना, उदयपुर एवं कूडो राजस्थान के मुख्यालय पर हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में जापान के कूडो वर्ल्ड चेम्पियन तेरागुच्ची नोरोहिदे शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न स्कूलों में जाकर बच्चों को कूडो तथा मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देंगे। एसआरए मिक्स मार्शल आर्ट के राजकुमार मेनारिया ने बताया कि जापान के कूडो वर्ल्ड चैम्पियन नोरोहिदे उदयपुर में पहली बार आये हैं। जो उदयपुर के बच्चों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के माध्यम से इस खेल की बारीकियां सिखाएंगे। उन्होंने बताया कि तीन दिनों में करीब 40 स्कूलों के 50 हजार बच्चों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भारत के मुख्य प्रशिक्षक हांशी मेहुल वोरा ने बताया कि उदयपुर के बाद बीकानेर, जोधपुर और अलवर में भी इस तरह के प्रशिक्षण आयोजित होंगे। कूडो का यह प्रशिक्षण संस्थान भारत सरकार से मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2023-24 में भारत में कुल दस खिलाड़ी नेशनल चैम्पियन बने। इन दस ही चौम्पियनों को विभिन्न क्षेत्रों में सरकार ने नौकरियां दी है। वोरा ने सेल्फ डिफेंस फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसडीएफआई) पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसमें चल रहे गोरख धन्धे से कई खिलाड़ियों का भविष्य खराब हो रहा है। उन्होंने मांग की एसडीएफआई खेलों में रेफरी भी भारत सरकार से मान्यता प्राप्त कुडो संस्था का ही होना चाहिये। इस अवसर पर 10 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले कूडो इंडिया के महासचिव सूरत के रेंशी विस्पी खराड़ी,अन्तर्राष्ट्रीय कूडो खिलाड़ी विपाश मेनारिया,महिला वर्ल्ड चेम्पियन राजनन्दिनी मेनारिया मौजूद थे। आयोजन सचिव विपाश मेनारिया ने बताया कि उदयपुर ह्वशिविर में कूडो की चार प्रशिक्षण अकादमियों सहित डी.पी.एस उदयपुर, रेयॉन इंटरनेशनल स्कूल उदयपुर, विट्टी इंटरनेशनल उदयपुर रॉक वुड्स हाई स्कूल, एम.एम.पी.एस., सीपीएस स्कूल सहित 40 से अधिक स्कूलों एवं पांच विश्वविद्यालय के 500 से अधिक खिलाड़ी लाभान्वित होंगे। शिविर का समापन रविवार 7 जुलाई को होगा। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वरिष्ठ चिकित्सकों का किया सम्मान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायन क्लब अजमेर जो कि एक वेस्ट अंतरराष्ट्रीय संगठन है। क्लब द्वारा हर वर्ष डॉ.दिवस पर श्रृद्धा हेल्थ केयर के संयुक्त तत्वावधान में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डीआर की सुविधा प्रदान करते हैं जिसमें अजमेर चिकित्सालय के कुछ वरिष्ठ डॉक्टर्स को सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम के पूर्व क्लब की बैठक आयोजित की गई। लाइन क्लब प्रेसीडेंट सी पी गुप्ता अजमेर वेस्ट ने बताया कि आयोजन में अजमेर के ग्यारह वरिष्ठ चिकित्सक ख छ ठ के अधीक्षक डा. अरविंद खरे , डा. एम पी शर्मा, डा.पुर्णिमा पंचोली, डा. अमित यादव, डा. लोकेश अग्रवाल, डा.आशिष अग्रवाल , डा. डागावास जैसे अन्य चिकित्सकों का सम्मान किया गया। इस सफल आयोजन के लिए पी एस टी व अमित प्रभा का विशेष सहयोग रहा। साथ ही इस आयोजन के सयोजक लायन आशीष सारस्वत को जिसके प्रयासो से ही इतने वरिष्ठ चिकित्सक कार्यक्रम में उपस्थित रहे क्लब द्वारा धन्यवाद दिया गया।

जरूरतमंद बेटी के ब्याह में दिए सैकड़ों उपहार

स्वयंसेवी महिलाओं ने दिल खोलकर की मदद

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से जुड़ी महिलाओं ने शहर के एक जरूरतमंद परिवार की बिटिया के ब्याह की आधी से ज्यादा जिम्मेदारी उठाकर समाजसेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। इन महिलाओं ने लड़की के लिए कपड़े, ज्वेलरी और श्रृंगार सामग्री से लेकर घर गृहस्थी में काम आने वाले बड़े सामान भी जुटाए। बुधवार को यह तमाम उपहार लड़की और उसके परिजन को सौंप दिए गए। इसके अलावा उन्हें ब्याह में खर्च के लिए नकद धनराशि भी प्रदान की गई। समाजसेवी भावना जैन को शहर के तुस्सीपुरा में रहने वाले एक गरीब परिवार की बिटिया के ब्याह में आ रही आर्थिक समस्या का पता चला तो उन्होंने विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से जुड़े लोगों के साथ मिलकर इस परिवार के सहयोग का बीड़ा उठाया। उनकी तरफ से प्रस्ताव मिलते ही जेसीआई मुरैना जागृति, लायंस क्लब एलीट, जैन सखी एवं आचार्य आनंद क्लब से जुड़े सेवाभावी लोगों ने मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ा दिया। सभी के सहयोग से लड़की के लिए 21 साड़ियां, 2 जोड़ी चांदी की पायल, नेकलेस सेट, 2 सूटकेस, बैग, मेकअप किट, लहंगा-चुनरी, जेंट्स कपड़े, पानी का कैम्पर, मिक्सर ग्राइंडर, वाटर प्यूरीफायर, प्रेस, कूलर, टेलीविजन, अलमारी एवं डबल बेड आदि समान जुटाया गया। वहीं आचार्य आनंद क्लब के सुधीर आचार्य की टीम ने दरवाजे की रस्म के लिए जरूरी बर्तन उपलब्ध कराए। बुधवार को ये सभी उपहार लड़की और उसके परिवार के सदस्यों के सुपुर्द कर दिया गया।

अपराध मुक्त राजस्थान बनाना प्राथमिकता

जयपुर. कासं। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने कहा कि सरकार आने के बाद अपराध का ग्राफ गिरा है। सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है साइबर फ्रॉड एवं अपराधियों को कठोरता से निपटा जाएगा। गृह राज्यमंत्री शुक्रवार को उदयपुर में डबोक स्थित महाराणा प्रपात हवाई अड्डे पर जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। पेपर लीक गिरोह पर नकेल के लिए स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गई है। ऑपरेशन एन्टी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आधुनिकीकरण के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इससे पूर्व बेढम एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी के डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर विभिन्न समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गुर्जर समाज के द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया। बेढम ने निवानिया गांव में देवनारायण भगवान के दर्शन किए। विभिन्न समाज के लोगों से चर्चा की। रास्ते में जगह जगह लोगों ने गृह राज्य मंत्री का स्वागत किया। बेढम ने सांवलिया सेठ के दर्शन करके पूजा अर्चना की एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने कहा जनहित सर्वोपरी है हमारे लिए।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

शिक्षा ज्ञान प्राप्ति और सक्षम मानव शक्ति का सृजन ही नहीं करती बल्कि शिक्षा राष्ट्र का निर्माण भी करती है: राज्यपाल मिश्र

मिश्र ने बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करती है, वह समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ता है। उन्होने विश्वविद्यालय में बालिका शिक्षा के अवसर प्रदान करने और बेटियों को स्वर्ण पदक में अव्वल रहने पर बधाई भी दी।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में कौशल से जोड़ने वाली शिक्षा प्रदान करने पर जोर देते हुए नए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान प्राप्ति और सक्षम मानव शक्ति का सृजन ही नहीं करती बल्कि शिक्षा राष्ट्र का निर्माण भी करती है। उन्होंने 'विकसित भारत' के लिए युवाओं को सहभागिता निभाने का आह्वान किया। राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को डीग जिले के कुम्हेर में स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। मिश्र ने बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां बालिकाएं शिक्षा प्राप्त करती है, वह समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ता है। उन्होने विश्वविद्यालय में बालिका शिक्षा के अवसर प्रदान करने और बेटियों को स्वर्ण पदक में अव्वल रहने पर बधाई भी दी। राज्यपाल ने नैनो मेडिकल के लिए विश्वविद्यालय के किए कार्यो को भी सराहा। उन्होंने कहा कि नए–नए अनुशासनों में ऐसे पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय तैयार करे जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में हमें सक्षम करें। उन्होनें युगानुरूप उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान किए जाने की भी आवश्यकता जताई। मिश्र द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर वेंकटरमन रामाकृष्णन, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर कार्ल बैरी शार्पलेस, प्रोफेसर गोवर्धन मेहता एवं प्रोफेसर सतीश त्रिपाठी को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई। मिश्र ने समारोह में वर्ष 2022 व 2023 के लगभग 95 हजार स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। इनमे से 95 विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त करने पर स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। वही विश्वविधालय के 31 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने राज्य में आयोजित हो रहे रोजगार उत्सव की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के साथ कौशल विकास से भी निरंतर सम्पन्न कर रही है। उन्होंने उच्च शिक्षा में हो रहे नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी। राज्यपाल ने इससे पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। कुलपति प्रो.रमेश चंद्रा ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

पत्थर एक बार मन्दिर गया, भगवान बन गया...

आदमी जिन्दगी भर मन्दिर गया, इंसान नहीं बन पाया: तपाचार्य 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

हैदराबाद. शाबाश इंडिया

पत्थर में भगवान है, यह समझाने में धर्म सफल रहा। पर इंसान में इंसान है, यह समझाने में धर्म आज भी असफल है। आज का कड़वा सच -दुनिया में सबसे ज्यादा मारा जाने वाला जीव मुर्गा है, क्योंकि जिसने भी दुनिया को जगाने की कोशिश की, वह हमेशा मारा गया। दूसरा कड़वा सच-पुराने जमाने में लोग एक दूसरे की हिम्मत बढ़ाते थे, और आज कल ब्लड प्रेशर बढ़ाते हैं।

आज का आदमी पहले के आदमी से ज्यादा चतुर, चालाक और होशियार हो गया है। इसलिए...

(1) व्हाट्सएप आने के पहले, पढ़ाई कर ली।

(2) मैगी आने के पहले, हम बड़े हो गये।

(3) मोबाइल आने के पहले, हमने शादी कर ली।

अब सोचो कैसे परिवर्तन आयेगा?

'परिवार प्रसन्न होगा, तो धर्म में भी मन लगेगा। तीर्थ यात्रा पर जाओ, तो पाँच पाप मत करना। इसके तहत रात्रि भोजन नहीं करना चाहिए। संभव हे सके तो पानी का बूंद भी मत गोना। कैसा भी निमित मिले, कोई भी कारण हो, क्रोध मत करना। यात्रा की अवधि में गुटखा, तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट आदि नशीले भीजों का प्रयोग मत करना। साधुओं की आलोचना मत करना। यात्रा में नए, स्वच्छ, मर्यादित कपड़े पहनना, पुराने फाटे, गंदे, वेद वाले कपड़े मरा पहनना, नहीं तो एकत्रित किया हुआ सारा पुण्य बह जाएगा। आपको ऐसे भरपूर निमित्त मिलेंगे, जो आपको उपरोक्त काम नहीं करने देंगे। शुभ कार्य में ही मन खराब करने वाले निमित्त मिलते हैं। पाप के कामों में नहीं।' उक्त उद्गार आगापुरा जैन मंदिर में शिक्षण शिविर में तपाचार्य 108 प्रसन्न सागरजी महाराज ने व्यक्त किए। मुनिश्री ने कहा कि तुम इस प्रकार से यात्रा करोगे, तो देखो कितना शुभ फल प्राप्त होता है। उपाध्याय 108 पीयूषसागरजी ने आज जिनवाणी के चार अनुयोगों प्रथमानुयोग, करुगानुयोग, बरजानुयोग, द्रव्यानुयोग के बारे में विस्तार से बताते हुए इनके विभिन्न शास्त्रों, उनके लेखकों व उनकी विषय वस्तु बारे में चर्चा। महाराज ने कहा कि जीवन में स्वाध्याय अत्यंत आवश्यक है। स्वाध्याय नित्य कम से कम 15 मिनट अवश्य करें। तरुणभैयाजी ने पंच परमेष्ठी के माध्यम से ध्यान कराकर मन को कैसे एकाग्र किया जा सकता है, इसका अभ्यास कराया। पुण्यप्रभा माताजी ने 24 तीर्थकनों के बारे में जानकारी दी। मुनिन्द उपदेश देते हैं। प्रवर्तक मुनि सहजसागरजी महाराज ने गृहस्थ के द्वितीय कर्तव्य गुरु उपास्ति पर प्रकाश डाला। मुनिराजों के आहार की समुचित व्यवस्था, विहार में उनके साथ चलना, उनकी वैवावृत्ति करना, कोई रोग हो तो औषधि की व्यवस्था करना, जीवन से शिक्षाएँ लेना तथा उनसे कोई नियम, संयम अंगीकार करना तथा उनकी समुचित पूजा, भक्ति, विनय करना गुरु उपास्ति है। हम किस प्रकार गुरु के रत्नत्रय की वृद्धि में सहायक हो राबाते हैं, यह सत्र बवभों को ध्यान रखना चाहिए, उन्होंने प्रथमानुयोग के अनेक दुहाना बताते हुए कहा कि महिलाओं को सीता, अंजना, मैना सुंदरी, त्रिशला, चंदनबाला आदि के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए। परिवार तो है, पर सुख, बैन, शांति नहीं है। 24 घंटे में आधा घंटा भी परिवारजन एक साथ नहीं बैठते, साथ भोजन नहीं करते, एक दूसरे के सुख-दुःख से कोई मतलब नहीं, तो परिवार क्या स्वयं सुखी और प्रसत्र रहेगा। परिवार में सत्रको शांति, प्रसत्रता हो, तो धार्मिक कार्यों में भी मन लगेगा। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ के दिन पूरे परिवार को एक साथ सबसे पहले सुबह मंदिर में पूजन करना चाहिए। फिर सबको एक साथ एक थाली में भोजन करना नाहिए। शास्त्रों में पत्ती को परमेश्वर, भगवान, प्राणनाथ माना गया है। जब तक यह था, तब तक परिवार खुशहाल थे। आज समानता का अहंकार दांपत्य जीवन में आ गया है, इसीलिए तलाक बढ़ते जा रहे हैं और परिवार उजड़ते जा रहे हैं। दोनों के बीच में प्रेम, हर्ष, सद्भाव और एक दूसरे के प्रति समर्पण की जरूरत है, तभी परिवार सुखी होगा, तभी धर्म में मन लगेगा। जैन धर्म के प्रसिद्ध आचार्य विरागसागरजी महाराज को अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विरागसागरजी महाराज ने 350 से अधिक शिष्यों को दीक्षा दी। उन्होंने अनेक ग्रंथ एवं पुस्तकें भी लिखीं। आचार्यश्री ने पंच भक्तियों का पाठ कर संघ की ओर से बद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि उनकी समाधि जैन समाज की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने विशुद्धसागरजी जैसे अनेक शिष्य दिए, जी धर्म की अतीव प्रभावना कर रहे हैं। सागर मुनिश्री सहजसागरजी महाराज ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि उन्हें उनके साथ अनेकों बार रहने का सौभाग्य मिला। उन्होंने चेत्तन और अचेतन तीर्थों का निर्माण किया। वह बुंदेलखंड के प्रथम आचार्य थे। उनके निधन से श्रमण परंपरा की बहुत नुकसान हुआ है।

पियुष कासलीवाल नरेंद्र अजमेरा औरंगाबाद

13 माह के पश्चात आज महाराष्ट्र से गुजरात प्रवेश करेंगे तेरापंथ के अनुशास्ता

चातुर्मास, मर्यादा महोत्सव, अक्षय तृतीया, दीक्षा कल्याण महोत्सव से ऐतिहासिक बना आचार्य महाश्रमण का महाराष्ट्र प्रवास। घोलवड़ प्रवेश से लेकर नवापुर के प्रवास तक हर दिन किया प्रवचन और जनता को नशामुक्ति के लिए किया प्रेरित

औरंगाबाद। 13 माह का प्रवास, 13 जिले, सैंकड़ों गांव, 1989 किलोमीटर से अधिक की पदयात्रा, अनेकों अतिविशिष्ट कार्यक्रम ऐसे ना जाने कितने तथ्य है जो अणुव्रत अनुशास्ता युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की महाराष्ट्र यात्रा को ऐतिहासिक बनाते है। जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अनुशास्ता युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी आज नवापुर से विहार के साथ ही महाराष्ट्र राज्य में अपनी सुदीर्घ यात्रा सुसंपन्न कर गुजरात राज्य में प्रवेश कराएंगे। दिनांक 28 मई 2023 में घोलवड़ से आचार्यश्री ने महाराष्ट्र में मंगल प्रवेश किया। तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह 13 माह का प्रवास समय देखते ही देखते निकल जायेगा। मुंबई चातुर्मास, वाशी, नवी मुंबई का मयार्दा महोत्सव मानों कल की सी बात लगती है। इस यात्रा में आचार्य श्री ने सद्भावना, नैतिकता एवं नशामुक्ति के त्रिआयामी उद्देश्य के साथ हजारों लोगों को प्रेरित किया एवं उन्हें बुरे आचरणों से बचकर सदाचार युक्त जीवन जीने की राह दिखाई।

404 दिन की यात्रा, भ्रमण 1980 किलोमीटर से अधिक: अपनी इस यात्रा के दौरान आचार्यश्री ने वृहत्तर मुंबई में दीर्घ प्रवास के साथ उपनगरों का भ्रमण किया वही कोंकण, पश्चिम महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, खानदेश, विदर्भ में सैंकड़ों गांवों को पावन बना कर जन समाज को नैतिक उन्नयन की दिशा दिखाई। कोंकण जैसे क्षेत्र में तो तेरापंथ के किसी आचार्य का ही प्रथम पदार्पण हुआ। इन क्षेत्रों में जैन समाज के साथ साथ इतर सकल समाज भी युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण के आगमन को लेकर उत्साही एवं उत्सुक नजर आया।

70 वर्षों बाद हुआ चातुर्मास, साथ में मिले मर्यादा महोत्सव सहित कई विशिष्ट कार्यक्रम: तेरापंथ के नवमें गुरु आचार्य श्री तुलसी ने 70 वर्ष पूर्व मुंबई में चातुर्मास किया था। जिसके बाद सन 2023 का नंदनवन में मुंबई चातुर्मास एवं वाशी, नवी मुंबई 160 वां मयार्दा महोत्सव कर मानों आचार्यश्री महाश्रमण ने महाराष्ट्र के भक्तों पर कृपा की बरसात कर दी। औरंगाबाद में अक्षय तृतीया, जालना में जन्मोत्सव, पट्टोत्सव, 50वां दीक्षा कल्याण महोत्सव, जैन भगवती दीक्षा समारोह, तेरापंथ विश्व भारती परियोजना जैसे विविध कार्यक्रमों से श्रद्धालुओं के लिए यह प्रवास ऐतिहासिक, चिरस्मरणीय बन गया। साथ ही प्रथम बार एक ही चातुर्मास में 122 से अधिक मासखमण, इक्कीसरंगी की तपस्या से श्रावक समाज ने नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए।